



भूगोल (वैकल्पिक विषय)
(भू-आकृति विज्ञान, समुद्र विज्ञान, मानव भूगोल में संदर्श,
मॉडल, सिद्धांत एवं नियम और जैव भूगोल)

8 Test

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

DTVF/19 (J-S)-M-G1

Name: सुनिल कुमार धनवन्त्रा

Mobile Number: _____

Medium (English/Hindi): हिन्दी

Reg. Number: _____

Center & Date: 21 जून, 2019

UPSC Roll No. (If allotted): 0815872

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में मुद्रित हैं।
परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.
Candidate has to attempt FIVE questions in all.
Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.
The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.
Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
सकल योग (Grand Total)													

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क/ SECTION - A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये:

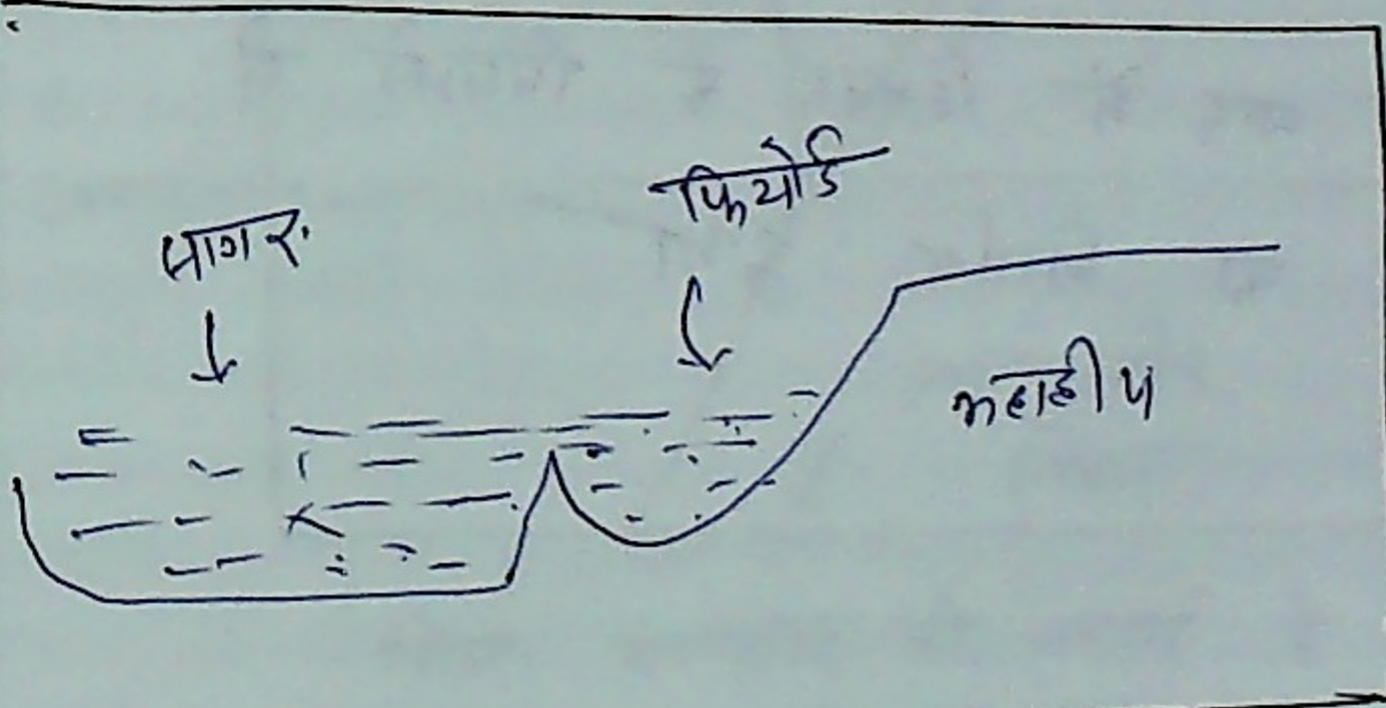
10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) फियोर्ड स्थलाकृति क्या है? इनकी उत्पत्ति से संबंधित विभिन्न मतों की संक्षिप्त चर्चा कीजिये।

What are Fjords topography? Briefly discuss various opinions about their evolution.

फियोर्ड एक तटीय स्थलाकृति है जो मुख्य रूप से शीत क्षेत्रों में पाई जाती है तथा जलमा निर्माण बर्फ के पिघलने से होता है यह एक खाई की तरह होती है जो महाद्वीप और महासागर की जोड़ती है यह मुख्य रूप से नार्वेजियन देशों, ग्रीनलैंड इत्यादि स्थानों पर पाई जाती है।



कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

निर्माण के प्रमुख भ्रम.

→ प्लीस्थोसीन काल में बर्फ के जमने के बाद खाई का निर्माण तथा उसके बाद खाई में बर्फ का ~~निर्माण~~ के पिघलने से फिफोर्ड का निर्माण हुआ।

→ लगुकी तंगों द्वारा अपरदन से खाई का निर्माण।

→ अंशान व विपत्तियों द्वारा खाई का निर्माण बाद में हिमनद के पिघलने से फिफोर्ड का निर्माण हुआ।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

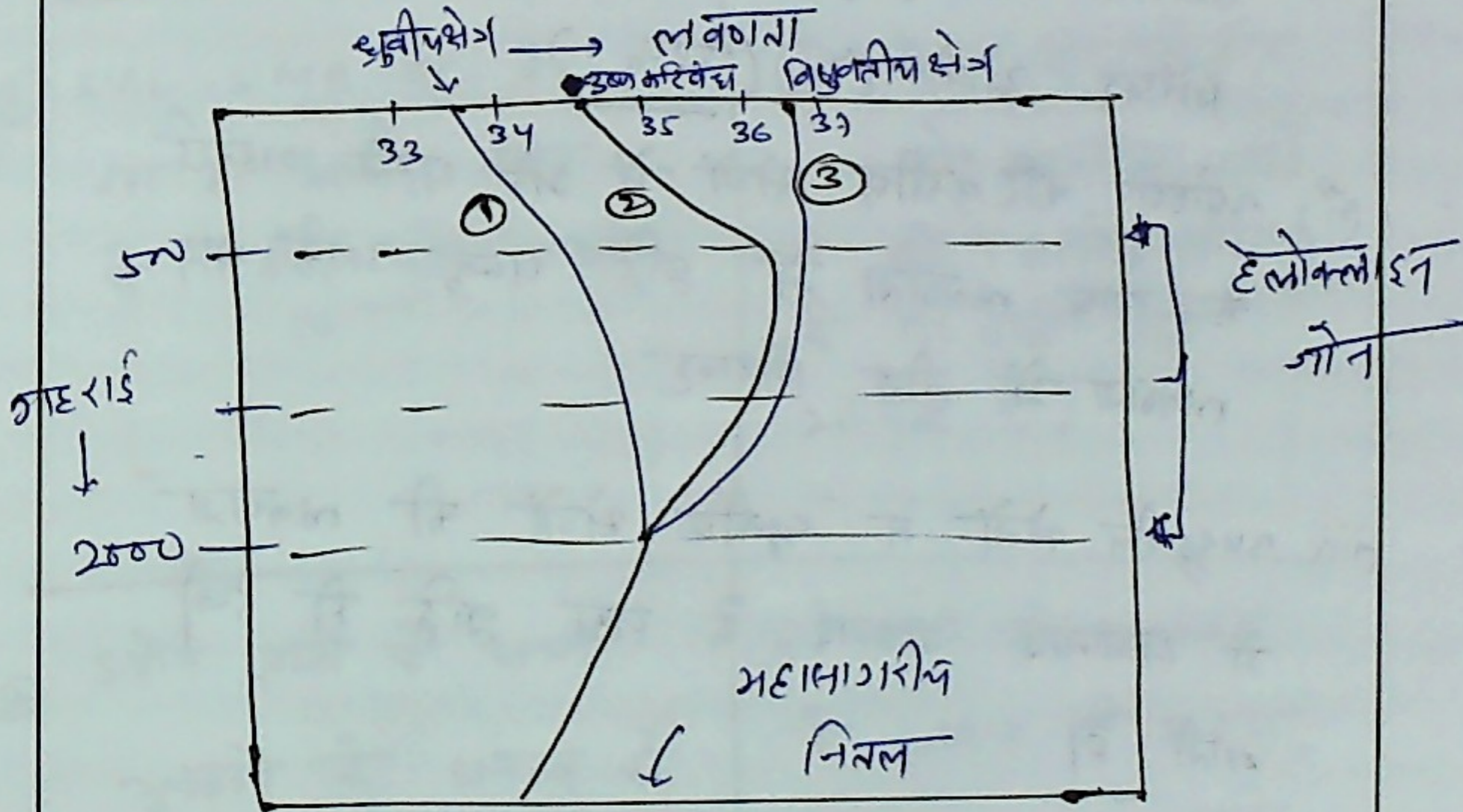
(b) महासागरों में "हैलोकलाइन जोन" से क्या तात्पर्य है? क्या महासागरों में गहराई के साथ-साथ लवणता में परिवर्तन का कोई निश्चित नियम है?

What is "Halocline zone" in the oceans? Is there any definite rule behind variation in salinity with respect to depth of oceans?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

महासागर की सतह (sea level) के नीचे वह जोन जहाँ लवणता में गिरावट देखने को मिलती है उसे हैलोकलाइन जोन कहा जाता है। सामान्यतः यह 500 मी. से 2000 मी. के बीच पाया जाता है।



निष्कर्ष: महासागर की गहराई के साथ लवणता में परिवर्तन



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

महासागर में गहराई के साथ साथ लवणता परिवर्तन के लिए कितनी निश्चित सिद्धांत का प्रतिपादन नहीं किया जा सका है। परन्तु कुछ सिद्धांत निम्नालिखित हैं:-

- (i) विषुवकीय क्षेत्रों में कुछ गहराई तक पहले लवणता में वृद्धि होती है फिर उसके बाद गिरावट आती है। (ग्राफ 1)
- (ii) उपोष्ण करिबेन्धीय क्षेत्रों में भी, पहले गहराई के साथ लवणता में वृद्धि परन्तु उसके बाद लवणता में तीव्र गिरावट
- (iii) उपध्रुवीय क्षेत्रों व ध्रुवीय क्षेत्रों की लवणता में सामान्यतः गहराई के साथ वृद्धि ही देखी जाती है।
- (iv) महासागरीय निम्न पर सभी अक्षांशों की लवणता समान होती है।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) एयरी व प्रॉट की भू-संतुलन संबंधी अवधारणाओं में विभेद कीजिये।

Discuss the differences between Airy and Pratt's concepts of geostasy.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी के ऊपर उठे भागों व नीचे धंसे भागों के बीच व्याप्त यांत्रिक संतुलन को भू-संतुलन कहते हैं।

एयरी की अवधारणा

प्रॉट की अवधारणा

① SIAL, SIMA पर तैर रहा है अर्थात् तैराव के सिद्धांत को मान्यता

① तैराव के सिद्धांत को मान्यता नहीं दी (आवृत्ति प्रतिरोध के सिद्धांत को मान्यता दी)

② इन्होंने पृथ्वी के सभी भूभागों के घनत्व को समान माना तथा उनकी गहराई को अलग-अलग माना

② पृथ्वी के भूभागों के घनत्व को अलग-अलग माना जबकि गहराई को एक समान माना

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

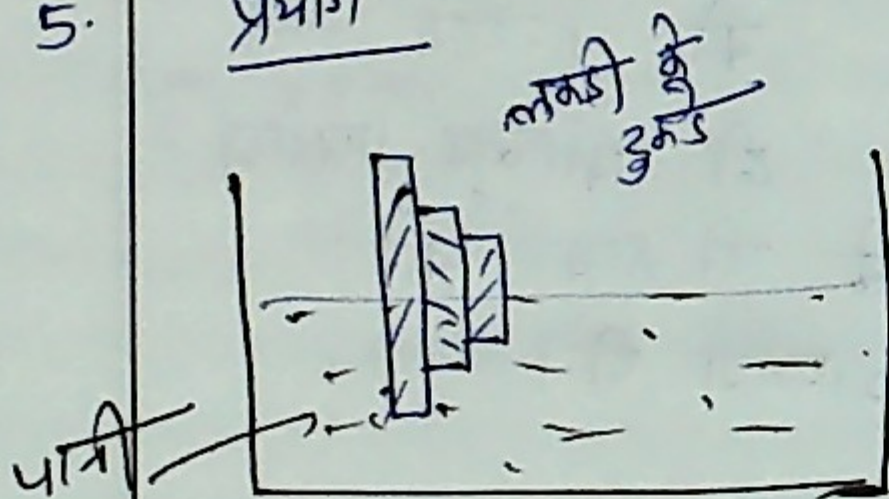
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Bigger the column,
more depth. अर्थात्,

जितना ~~बड़ा~~ ऊँचा ढांड
उतनी गहराई भी
उतनी ज्यादा

4. ~~जड़ की गहराई~~ ~~अपलावन~~
बल में विश्वास

5. प्रयोग



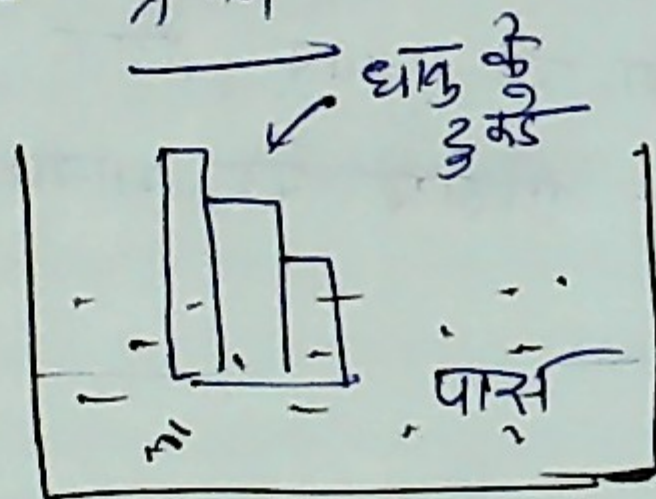
Bigger the column,

lesser the density
अर्थात् जितना ऊँचा ढांड
उतना घनत्व उतना ही

रुग्

4. विश्वास नहीं
(क्षत्रियता बल में
निश्चय)

5. प्रयोग



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

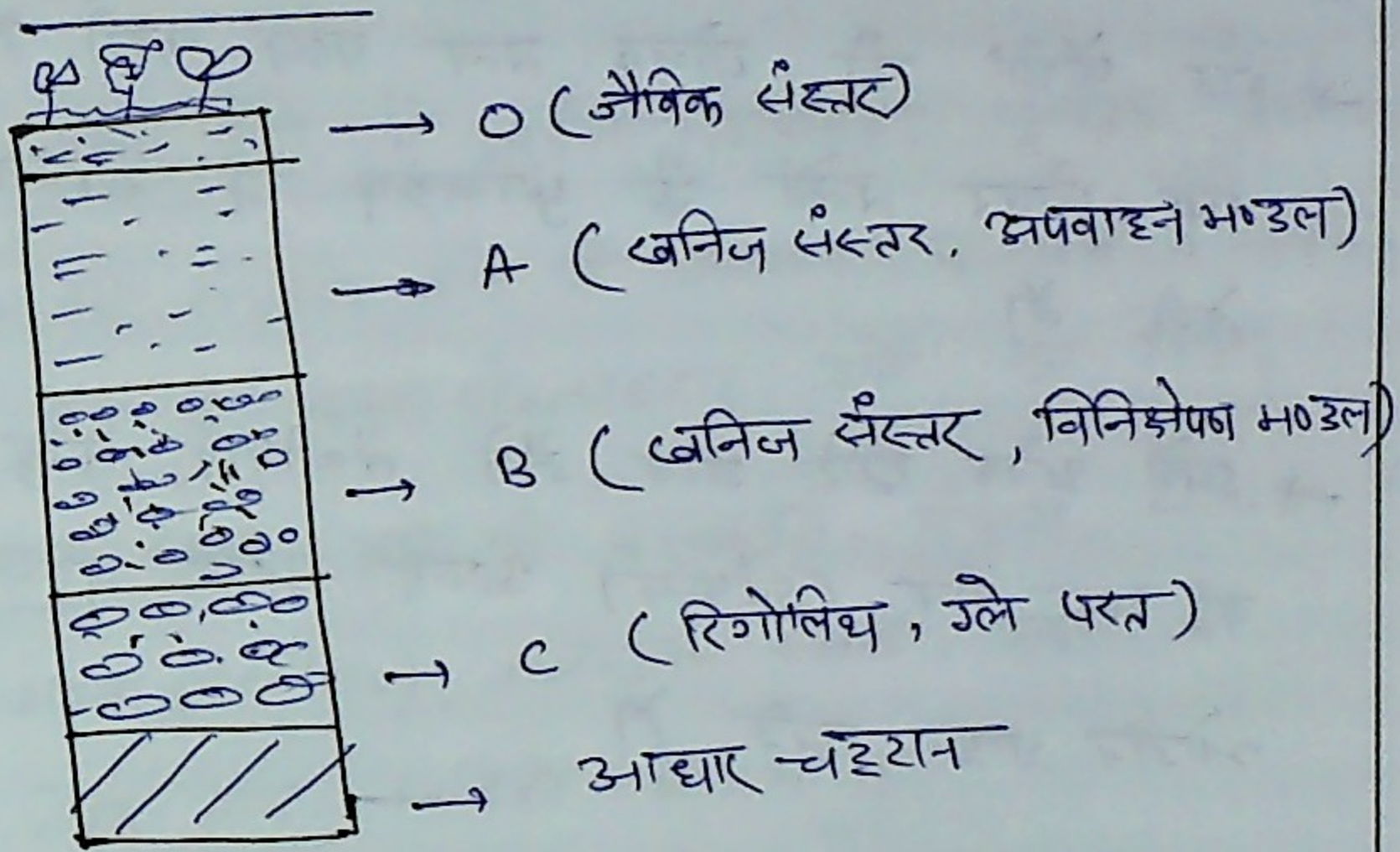
(d) मृदा परिच्छेदिका को परिभाषित करें तथा बताएँ कि क्यों ऊपरी मृदा अत्यधिक महत्वपूर्ण है?

Define soil profile and explain why top soil is of utmost importance?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी की सतह तथा आधा-चट्टान के बीच मृदा के उद्घाटन कार को सम्मिलित रूप से मृदा की परिच्छेदिका कहा जाता है।



चित्र: मृदा परिच्छेदिका

मृदा भूभाग के प्रकार की होती है

→ ऊपरी मृदा (top soil)
→ उपमृदा (subsoil)



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

क्षपी मृदा में भुरूप लव से जैविक पदम व जिनज संस्तर को शामिल बिदा जाता है।

अहर्षे

→ यह पौधों की पोषक तत्व प्रदान करती है तथा पोषक तत्वों की पुनर्चक्रण में सहायक होती है।

→ इसके अनेक छोटे जीव जैसे बैक्टीरिया, कवक व अन्य जीन (इंजैकन) अपना आन्नय प भोजन प्राप्त करते हैं।

→ फसलों की उत्पादन में सहायक → जाय्य सुरक्षा

→ भूमिगत जल प्रदूषण से रोकथाम



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) विश्व में वनस्पति के वितरण के लिये कौन-से कारक महत्वपूर्ण हैं?

Which factors are important for the distribution of vegetation across the globe?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

विश्व में वनस्पति का वितरण अलग-अलग है जिसके लिए अनेक कारक जिम्मेदार हैं। उनमें से प्रमुख निम्नलिखित हैं।

- (i) जलवायु कारक - आर्द्रता, तापमान, ध्रुवीय, वर्षा
→ जैसे विषुवतीय वनों में उष्णमान व वर्षा के अधिक होने के कारण घने सदाबहार वनों का विकास
- (ii) भूदा कारक - भूदा की पारगम्यता, रंध्रता, संरचना, संचयन, गठन (texture), जलधारण क्षमता, भूदा के पोषक तत्व, खनिजों की मात्रा
- (iii) मानवीय कारक - मानव द्वारा वनों का कटाव, बीजों का वितरण, ~~इत्यादि~~ वनाग्नि इत्यादि
- (iv) जैविक कारक - जीवों द्वारा बीजों का वितरण, परागण, इत्यादि
- (v) विकल्पिक कारक - दो भूखण्डों के अलग-अलग



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हो जाने के वहां की वनस्पति में काफी बदलाव आता है। जैसे जब भारत अफ्रीका से मिलना था तो वनस्पति दोनों स्थानों की काफी समान थी परन्तु अलग होने के पश्चात काफी अलग हो चुकी है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (a) "पृथ्वी की सतह पर वर्तमान में विद्यमान अधिकतम भू-आकृतिक विशिष्टताएँ प्लीस्टोसीन काल से उद्भूत हैं।" व्याख्या कीजिये। 15

"Most of the geomorphic features on the surface of earth today belong to Pleistocene period". Elaborate. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रो. चार्ल्सबी भेट्टर ने कहा है कि प्लीस्टोसीन काल की भूआकृतियों के अध्ययन के बिना वर्तमान भू-आकृतियों के विकास का अध्ययन अधूरा होगा। इस कथन से प्लीस्टोसीन काल की भू-आकृतियों का महत्व ज्ञात होता है।

पृथ्वी पर प्लीस्टोसीन काल की अनेक स्थलाकृतियाँ मौजूद हैं जो इस प्रकार हैं-

(i) भारतीय उपखंड का विशाल मैदान - हिमालय की नदियों के लिए गए अवसादों के निरंतर जमाव के कारण इस विशाल मैदान का निर्माण हुआ जो सिन्धु नदी से लेकर बंगाल और ब्रह्मपुत्र के मैदान तक विस्तृत है।

(ii) 'भरे' ने कहा है कि प्लीस्टोसीन काल के हिमयुग के कारण महासागरों में ~~महासागरों~~ प्लेटफार्म का निर्माण हुआ जिसमें बाड़ में



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रवाल भित्ति का उद्भव माना जाता है।

(iii) धार का भूस्थल - पहले यहां पर एक समुद्र व्याघ्र था जिसके बाद धीरे-धीरे जलवायु परिवर्तन के कारण धार के भूस्थल का निर्माण हुआ।

(iv) भारतीय तटों का निर्माण भी प्लीस्टोसीन युग की देन माना जाता है।

(v) इंदी के साथ हिमालय की वाटरी श्रंखलाओं का निर्माण भी इसी काल का माना जाता है।

(vi) पृथ्वी पर स्थित अनेक 'फिफोर्ड' का निर्माण भी इसी काल का माना जाता है।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(vii) भ्रष्ट आर्कैडिक कटक का निर्माण भी विद्वानों द्वारा इसी युग का माना जाता है।

इसलिए स्पष्ट है कि पृथ्वी पर अनेक स्थलाकृतियों का निर्माण प्लीस्टोसीन काल की है जिसकी अपनी विशिष्टता है।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) ज्वालामुखियों का वैश्विक वितरण स्पष्ट करते हुए समझाएँ कि किस प्रकार प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत ज्वालामुखीयता की व्याख्या करता है। 20

Giving an account of distribution of volcanoes across the globe, elucidate how plate tectonic theory explains the phenomenon of volcanism. 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पृथ्वी के आंतरिक भाग से मैग्मा का झरना की तरह पर जिस छिद्र से आगमन होता है उसे ज्वालामुखी कहते हैं। विश्व के समस्त भू-भाग पर ज्वालामुखियों का वितरण असमान है।

ज्वालामुखियों का वितरण

(1) पारि-प्रशांत मेखला - यह यह पेली प्रशांत महासागर के किनारों के सहारे फैली है जहाँ विश्व के लगभग 68% भूकंप देखने को मिलते हैं। उत्तरी अमेरिकी प्लेट तथा द. अमेरिकी प्लेट के प्रशांत महासागरीय प्लेट से टकराने से ज्वालामुखी देखने को मिलती है। इसी प्रकार प्रशांत महासागरीय प्लेट के फिलिपिन प्लेट से टकराने पर भी ज्वालामुखी देखने को मिलती है। ज्वालामुखियों की अधिकता

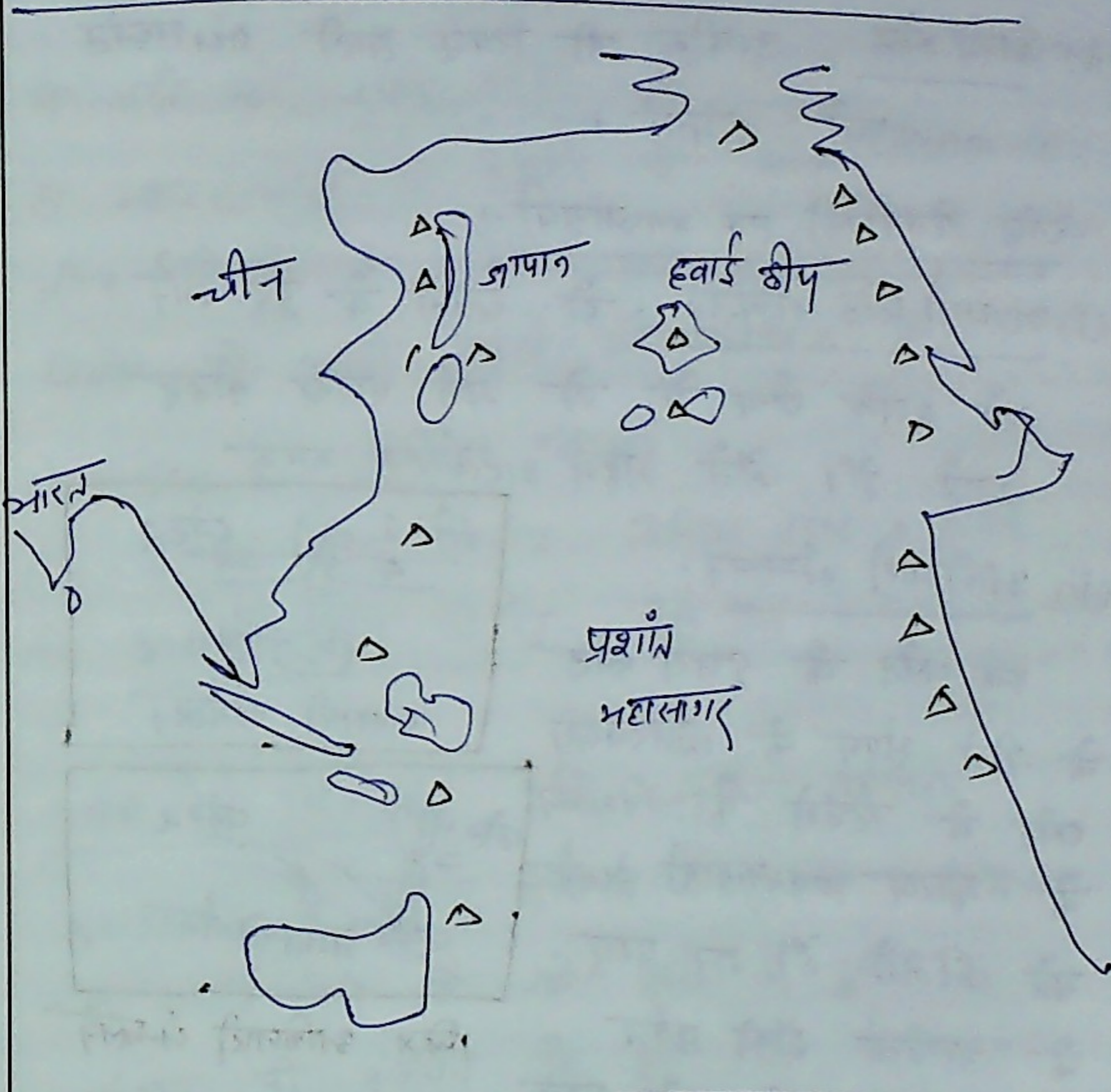
कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

के कारण इस क्षेत्र को 'रिंग ऑफ़ फ़ायर' की संज्ञा भी दी जाती है।



Δ- ज्वालामुखी क्षेत्र
(ii) अटल भूदृष्टीय श्रृंखला . इसमें आल्प्स पर्वत श्रृंखला से लेकर हिमालय तक का क्षेत्र सम्मिलित है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

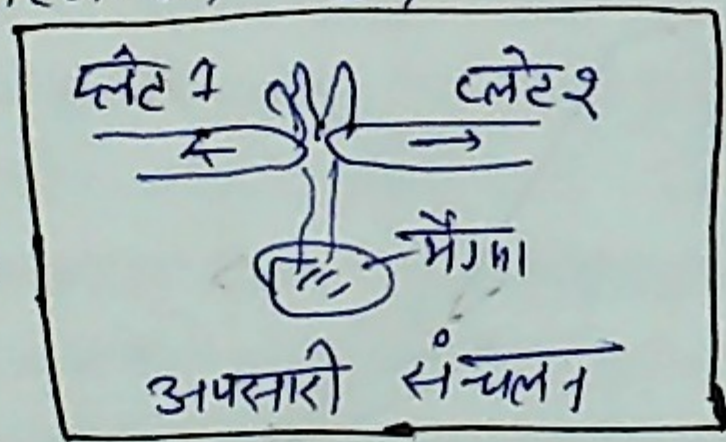
(Please don't write anything in this space)

(iii) मध्य अटलांटिक कटक : अटलांटिक महासागर में ~~महासागर~~ बीच में प्लेटों के अभिसरण से ज्वालामुखी देखने को मिलती है।

(iv) अन्ध क्षेत्र - अफ्रीका की रिफ्ट घाटी, अंटार्कटिका ज्वालामुखी इत्यादि।

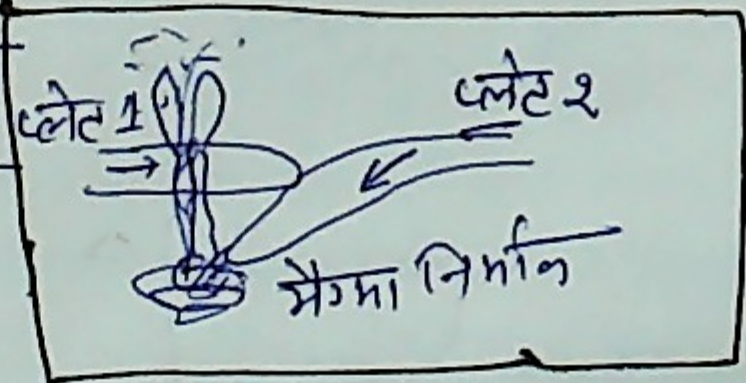
प्लेट विवर्तनिकी एवं ज्वालामुखी :

(i) अपसारी प्लेट संचलन : दो प्लेटों के दूर जान से उसके बीच में से गर्म पदार्थ बाहर आते हैं। जैसे मध्य अटलांटिक कटक



(ii) अभिसारी संचलन :

एक प्लेट के दूसरी प्लेट के नीचे क्षेपण के फलस्वरूप प्लेट के टिस्से के पिघलने के कारण ज्वालामुखी देखने को मिलती है। इस प्रकार के उदाहरण रॉकी पर्वत एवं एण्डीज पर्वत के पास देखने को मिलते हैं।



चित्र: अभिसारी संचलन

ज्ञात स्पष्ट है कि ज्वालामुखीत्व का प्लेट विवर्तनिकी के साथ गहरा संबंध है।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) किस प्रकार ज्वार-भाटे का 'स्थिर तरंग सिद्धांत', इसके 'प्रगामी तरंग सिद्धांत' की कमियों में सुधार करता है? 15

How does 'stationary wave theory' of tide rectify the limitations of 'progressive wave theory'? 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

समुद्र के जल की उर्ध्वाचर दिशा में गति को 'ज्वार-भाटा' की संज्ञा दी जाती है। ज्वार-भाटा की उत्पत्ति के ~~सिद्ध~~ संबंध में अनेक विद्वानों ने अपने मत प्रतिपादित किए हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं-

- (i) -थूलन का संतुलन सिद्धांत
- (ii) प्रगामी तरंग सिद्धांत - विलियम डेवेल व एथरी
- (iii) अप्रगामी तरंग सिद्धांत - हेरी हॉल

प्रगामी तरंग सिद्धांत : इसके अनुसार सर्वप्रथम

गुरुत्वाकर्षण के कारण दक्षिणी सागर में लहरों की उत्पत्ति होती है जो पृथ्वी के घूर्णन व चंद्रमा की पश्चिम से पूर्व की परिभ्रमा के कारण पूर्व से पश्चिम की ओर गति करती हैं।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अहादीपीय तट से रुकराने के पश्चात इस तरंग की दिशा उत्तर की ओर हो जाती है। जब यह तरंग तट पर पहुँचती है तो शीघ्र श्रृंग की ज्वार तथा गर्त की भाँटा की संज्ञा दी जाती है।

परन्तु इसी आलोचना में कहा गया कि -

(i) प्रगामी तरंग सिद्धान्त के अनुसार उत्तर दिशा की ओर जाने पर तरंग की तीव्रता में कमी के कारण ज्वार की ऊँचाई में कमी आती है परन्तु संसार के सबसे ऊँचे ज्वार 'फ्रेंच की खाड़ी' में आते हैं।

(ii) प्रगामी तरंग सिद्धान्त में बताया गया है कि एक ही विशेषांतर पर स्थित अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग समय पर ज्वार आते हैं परन्तु यूरोप के पश्चिमी तटों पर



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अनेक स्थानों पर एक ही साध ज्वार देखने की मिलती हैं।

इसी क्रियाओं को बुझाने के लिए अप्रगामी तरंग सिद्धान्त में कहा गया कि ज्वार-भाटा स्थानीय परिघटना है जो जलीय स्तरो में चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण से उत्पन्न दोलन के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती है। ज्वार-भाटा की प्रकृति जल स्तरो (सागर) की गहराई, तट की आकृति इत्यादि पर निर्भर करती है। ज्यादा गहरे एवं संकरे सागर में ज्यादा ऊँचे ज्वार देखने को मिलते हैं। ए. फण्टी की खाड़ी

इस प्रकार अप्रगामी तरंग सिद्धान्त ने प्रगामी तरंग सिद्धान्त की अनेक बुराइयों को दूर करने का कार्य किया।



खण्ड - ख / SECTION - B

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये:

10 × 5 = 50

Answer the following in about 150 words each:

(a) भूगोल में 'मानवतावादी उपागम' पर चर्चा से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by 'humanistic approach' in Geography?

भूगोल में मानवीय चेतना, लोच एवं विचारों की मान्यता देने वाले उपागम को मानवतावादी उपागम की संज्ञा दी जाती है।

आजातक क्रांति में केवल गांधीजी व आंदोलनों के विश्लेषण पर जोर दिया गया तथा मानव के महत्व की अनदेखा किया गया जिसकी वजह से अज्ञानता, गरीबी, शोषण, पर्यावरणीय प्रदूषण देजने को मिला। इसी के विरोध में मानवतावादी उपागम को प्रारंभ किया गया।

सर्वप्रथम भूगोलवेत्ता 'रिक' ने मानवतावादी विचार व्यक्त किए जिन्होंने 'जी यू बुआनो' में अपने विस्तृत अध्ययन व शोध के माध्यम



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

से विस्तृत व विकसित किया।

सुझाव ने मानवीय क्रियाकलापों व विचारों का भौगोलिक अदृश्य पर प्रभाव का विश्लेषण किया।

मानवशास्त्रीय भूगोल के अंतर्गत अनेक अध्ययनों की परिधि विकसित हुई -

- ① दृश्यमान विधि (Phenomenal Approach)
- ② आदर्शवादी विधि (Idealistic Approach)

कतिपय-में यह उपागत मानव कलाओं व सोच को भूगोल में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में सफल रहा है।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) वॉन थ्यूनेन के कृषि भूमि-उपयोग मॉडल की आधारभूत मान्यताओं का परीक्षण कीजिये।

Examine the basic assumptions of Von Thunen's agricultural land-use model.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वॉन थ्यूनेन ने 1926 ई. में अपनी पुस्तक 'The Isolated State' में कृषि भूमि-उपयोग मॉडल की प्रतिपादन किया।

उन्होंने आर्थिक लगान के सिद्धांत के आधार पर बताया कि किसी शहर के चारों ओर कृषि-उपयोग 6 मुख्य पैटर्नों में पाया जाता है।

- ① सब्जियों, फूलों व फलों की खेती वाली पैटी
- ② लकड़ी के उत्पादन की पैटी
- ③ गहन खाद्य उत्पादन की पैटी
- ④ खाद्य उत्पादन परन्तु कुछ भूमि परती वाली पैटी
- ⑤ 1/3 भाग भूमि परती के साथ कृषि वाली पैटी
- ⑥ भूमि उत्पादन की पैटी

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

वॉनथ्यूनेन की मान्यताएं

(i) संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र समरूप व समान है
 तथा सभी जगह ^{भूद्वि की} उत्पादकता समान है
 पल्क भूद्वि उत्पादकता सभी जगह समान नहीं होती

(ii) परिवहन के साधन के रूप में सिर्फ घोड़ागाड़ी को मान्यता
 वर्तमान में परिवहन के आधुनिक साधनों की उपलब्धता

(iii) परिवहन लागत का इसी के अनुपात में वृद्धि
 वर्तमान में परिवहन लागत में इसी के अनुपात में कमी आई है।

(iv) मानव आर्थिक सौच वाला है।
 पल्क सर्वथा ऐसा नहीं होता।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) रिटर की 'विभिन्नता में एकता' की संकल्पना क्या है?

What is Ritter's theory of 'Unity in Diversity'?

रिटर ने प्रादेशिक भूगोल के संघर्ष में कहा कि प्रदेशों में विभिन्नताएं पायी जाती हैं परन्तु उनमें अनेक समानताएं भी पायी जाती हैं। इसके कारण विभिन्नता में एकता प्रदर्शित होती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(d) भूगोल में हार्टशोर्न द्वारा वर्णित 'प्रादेशिक उपागम' क्या है?

What is 'regional approach' in Geography by Hartshorne?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

हार्टशोर्न ने अपनी पुस्तक 'The Nature and perspective of Geography' में अपने विचारों का प्रतिपादन किया

→ भूगोल में प्रदेश एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है तथा प्राचीन काल से ही भूगोल के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य प्रदेशों का वर्णन रहा है।

→ प्रत्येक प्रदेश विशिष्ट तथा आसपास के क्षेत्रों से विभिन्न होता है।

→ प्रदेश अपने आसपास के प्रदेशों से निरंतर अंतर्क्रिया करता रहता है।

→ प्रदेश में अंदर की तरफ जाने पर सम(७५८)



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

में श्रुति जबकि वाद की ओर जाने पर समरूपता में कमी होती है।

- केवल विभिन्नताओं पर ध्यान → समानताओं पर नहीं
- ध्यान की संकल्पनाओं का गलत अनुवाद



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(e) 'द्वितीय जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत' से आप क्या समझते हैं?

What do you understand by 'Second Demographic Transition Theory'?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जनसांख्यिकीय संक्रमण की द्वितीय अवस्था की द्वितीय जनसांख्यिकीय संक्रमण सिद्धांत कहते हैं

विशेषताएं

- जनसंख्या घटती है। जबकि मृत्यु दर में भी
- जनसंख्या का धीरे-धीरे बढ़ना



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) "समकालीन होने के नाते हम्बोल्ट और रिटर में कुछ समानताएँ मिलना स्वाभाविक है परंतु कुछ महत्वपूर्ण असम्मतियाँ भी स्पष्ट होती हैं।" कथन की व्याख्या कीजिये। 15
"Being contemporaries, it is natural to find similarities between Humboldt and Ritter but there are some major disagreements too". Elucidate the statement. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हम्बोल्ट और रिटर ने भूगोल के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है तथा भौगोलिक चिंतन के इतिहास में अपनी भूमिका का निर्वहन किया है।

हम्बोल्ट ने संपूर्ण विश्व का भ्रमण करके अपनी पुस्तक 'कोसमॉस' के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। रिटर ने अपनी पुस्तक 'अंड कुंडे' के माध्यम से भूगोल के संवर्धन में अपने विचार व्यक्त किए हैं।

दोनों भूगोलवेत्ताओं के समकालिक होने के कारण दोनों में कुछ निम्नलिखित समानताएँ देखने को मिलती हैं।

(i) दोनों भूगोलवेत्ताओं का मानना था कि

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भौगोलिक पर्यावरण का मानव के विकास, चिंतन तथा सभ्यता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है तथा मानव इसके द्वारा निर्मित किया जाता है। इस प्रकार स्पष्ट है कि वे दोनों ही 'निश्चयवाद' के समर्थक थे।

(ii) इसी के साथ उनका ये भी मानना था कि भौतिक भूगोल ही भूगोल का मुख्य अंग है तथा भौतिक परिघटनाओं का ज्यादा महत्व है। रितर का मानना था कि यूरोप में विभिन्न क्षेत्रों में असमान विकास का कारण जलवायु में असमानता का होना है।

परन्तु इसी के साथ उन दोनों के विचारों में अनेक असदृशताएँ भी देखने की मिलती हैं जो निम्नलिखित हैं—

(i) हम्बोल्ट मुख्यतः क्रमबद्ध भूगोल (systematic Geography) का समर्थक था जिन्होंने

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

एक भौगोलिक तत्व को लेकर विश्व के अनेक क्षेत्रों का विश्लेषण किया। परन्तु कार्ल रिटर प्रादेशिक भूगोल के समर्थक थे जिन्होंने एक प्रदेश को इकाई मानकर अनेक भौगोलिक तत्वों का विश्लेषण किया।

(ii) एम्बोलेट मूल रूप से प्रत्यक्ष प्रेक्षण या प्रमाण के आधार पर भौगोलिक विचार प्रस्तुत करते थे जबकि रिटर केवल सैद्धांतिक अध्ययन या अपने ~~विचार~~ भास्त्रिक में सूच के आधार पर अपने विचार व्यक्त करते थे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि एम्बोलेट व कार्ल रिटर के विचारों में अनेक समानताएँ एवं अनेक असमानताएँ व्याप्त थी।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) 'क्रान्तिक आइसोडापेन' क्या है? वेबर के औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत में इसे किस प्रकार विश्लेषित किया गया है?

20

What is 'Critical Isodapane'? How it has been analysed in Weber's theory of industrial location?

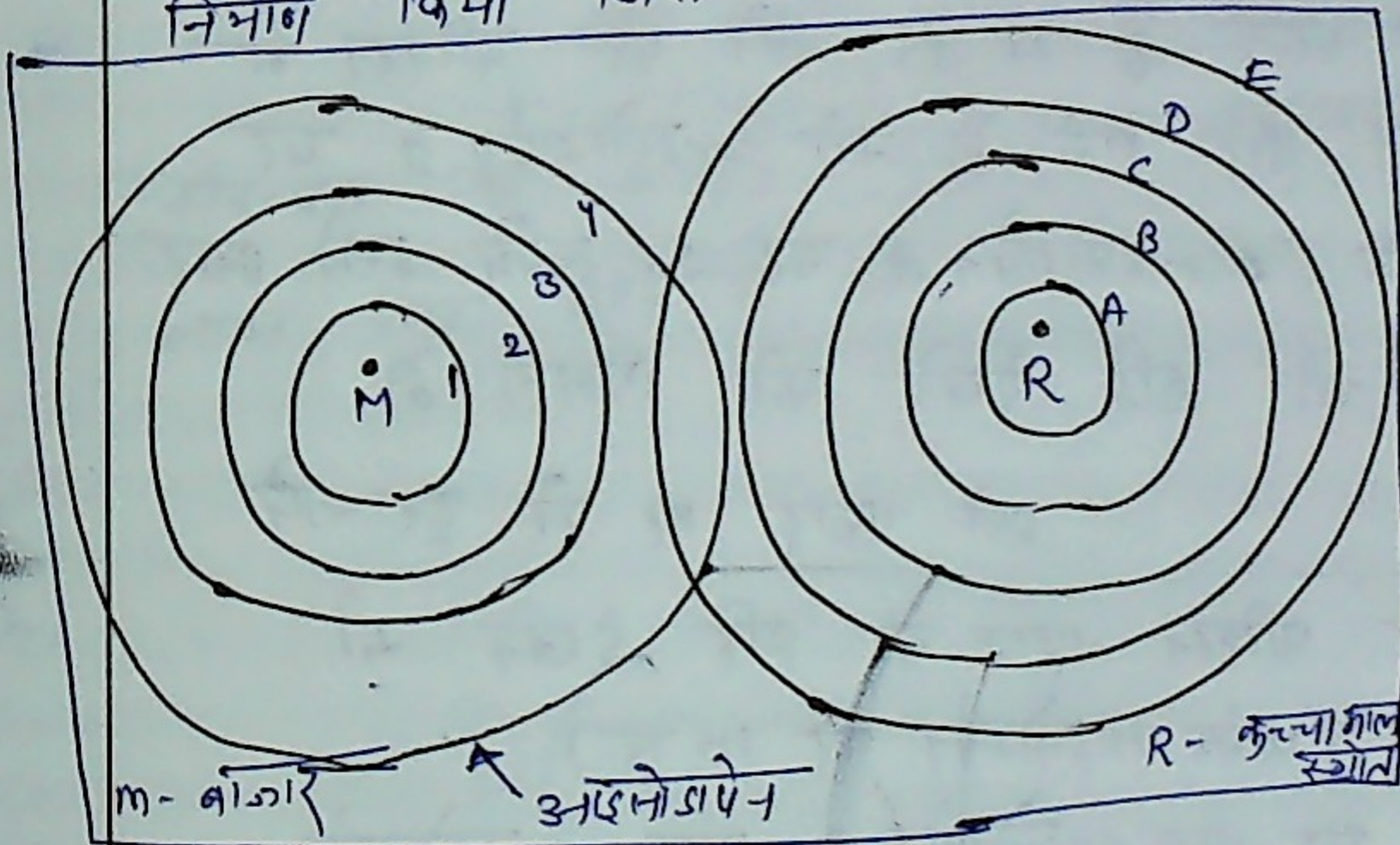
20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अल्फ्रेड वेबर ने वर्ष 1909 में औद्योगिक अवस्थिति का सिद्धांत प्रतिपादित किया था जिसमें उन्होंने बताया था कि उद्योग वहां पर स्थापित किए जाते हैं जहां पर परिवहन की लागत न्यूनतम है।

इसी प्रकार उन्होंने समान परिवहन लागत वाले बिन्दुओं को जोड़कर रेखाओं का निर्माण किया जिसे आइसोडापेन की संज्ञा दी गई।



वेबर ने श्रम के सांश्रुतिकरण का लाभ प्राप्त करने के लिए उद्योग को कच्चे माल



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

के स्टॉक या बाजार के स्थान पर स्थापित करने के स्थान पर वहां स्थापित करने का सुझाव दिया जहां पर श्रम की लागत सस्ती है।
इन्होंने ऐसी आइसोडोपैन् रेखा का चयन किया जहां परिवहन की कुल अतिरिक्त लागत श्रम की लागत में वृद्धि से बराबर या कम है। इस रेखा को 'क्रान्तिक आइसोडोपैन्' की संज्ञा दी गई।

इन्होंने उदाहरण के माध्यम से इसे समझाने का प्रयास किया। जैसे

स्थान पर परिवहन लागत शून्य है परन्तु M से दूर जाने पर परिवहन की लागत में वृद्धि होगी - M जैसे आइसोडोपैन् 1 पर 10 रुपये, M आइसोडोपैन् 2 पर 20 रुपये इसी प्रकार आगे भी वृद्धि देखने को मिलती है।

इसी प्रकार M से दूर जाने पर भी परिवहन लागत में वृद्धि देखने को मिलती है (प्रत्येक आइसोडोपैन् पर 10 रु.)

इस प्रकार आइसोडोपैन् 4 तथा आइसोडोपैन् 5 के प्रतिच्छेद स्थानों पर परिवहन की कुल



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

लागत (40 + 50 = 90 रुपये) होगी। अर्थात्
यहां उद्योग स्थापित करने पर परिवहन की
● लागत 90 रुपये ज्यादा आसगी। यदि

यदि उस स्थान पर श्रम की लागत
में 90 रुपये से ज्यादा की बचत होती है
तो उद्योग को उस स्थान पर स्थापित कर
दिया जाएगा और वह आइसोजपेन क्रान्तिक
आइसोजपेन कहलाती है।

इस प्रकार क्रान्तिक आइसोजपेन की
संकल्पना को उन्होंने 'उद्योगों के समूहीकरण' का
लाभ प्राप्त करने में भी प्रयुक्त किया।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

- (c) जनसंख्या का माल्थसवादी दृष्टिकोण क्या है? नवमाल्थसवादी क्यों और कैसे इसकी पुनर्व्याख्या करते हैं? 15
What is Malthusian approach of population? Why and how Neo-Malthusians re-interpret it? 15

रॉबर्ट माल्थस ने अपने शोधपत्र 'द थ्योरी ऑफ पॉप्यूलेशन' के माध्यम से जनसंख्या के बारे में अपने विचार व्यक्त किए हैं।

माल्थस की दो मान्यताएँ थीं।

(i) जीवन निर्वाह के साधनों में साधारण (Arithmetic) वृद्धि होती है जैसे 1, 2, 3, 4 - - - 1 जबकि जनसंख्या में गुणात्मक (Geometric) वृद्धि अर्थात् 1, 2, 4, 8, 16 - - - 8 होती है।

(ii) मानव की मौन प्रवृत्ति इसी प्रकार बनी रहेगी।

उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद जनसंख्या के तथा संसाधनों के मध्य अंतराल में इतनी वृद्धि हो जाएगी कि प्रकृति को अपने स्वयं जैसे षट, सूजा, महामारी इत्यादि के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण करना पड़ेगा।

माल्थस ने दो प्रकार के निरोधों

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

का वर्णन किया है -

सकारात्मक निरोध - गर्भपात, गर्भनिरोधकों का प्रयोग।

नकारात्मक निरोध - प्राकृतिक आपदाएं, महामारी इत्यादि

परन्तु अनेक विद्वानों ने निम्नलिखित आधारों पर माल्था के सिद्धांत की आलोचना की -

(i) संसाधनों में बृद्धि तकनीकी विकास पर निर्भर करती है अर्थात् यह सदा गणितीय (mathematic) रूप में नहीं होती

(ii) माल्था ने सकारात्मक निरोधों (गर्भपात इत्यादि) को धर्म के विरुद्ध मानकर नकार दिया है जबकि वर्तमान में जनसंख्या नियंत्रण में इनका अहम योगदान है। इत्यादि

इन्हीं आलोचनाओं की प्रतिक्रिया में नवमाल्थावादियों ने इस सिद्धांत की पुनर्धारणा करने का प्रयास किया है तथा इसमें सुधार



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

किया है।

नवभाल्पावशिपो के लुधार -

- (i) इन्होंने संसाधनों की वृद्धि की तकनीकी प्रणालि से जोड़ने का प्रयास किया है।
- (ii) इन्होंने कृत्रिम गर्भनिरोधको, गर्भपात इत्यादि की भी स्वीकार किया है।
- (iii) इन्होंने बताया कि जनसंख्या को कुशल व उत्पादक बनाकर उसको संसाधन के तौर पर प्रयोग किया जा सकता है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (a) तंत्र विश्लेषण के प्रमुख अभिलक्षण बताते हुए भूगोल विषय में इसके महत्त्व का मूल्यांकन कीजिये।

15

Explaining the salient features of system analysis, evaluate its significance in Geography.

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भूगोल में तंत्र विश्लेषण की जीव विज्ञान से श्रद्धा किया गया है जिसे भौगोलिक परिघटनाओं की तंत्र मानकर उनका विश्लेषण करने का प्रयास किया जाता।

तंत्र विश्लेषण के प्रमुख अभिलक्षण :

(i) भौगोलिक तंत्र दो प्रकार के होते हैं - (i) खुला तंत्र (ii) बंद तंत्र

(ii) तंत्र विश्लेषण में भौगोलिक तंत्र को अनेक धारकों में विभाजित कर उनके बीच में व्याप्त अंतर्संबंधों का अध्ययन करने का प्रयास किया जाता है।

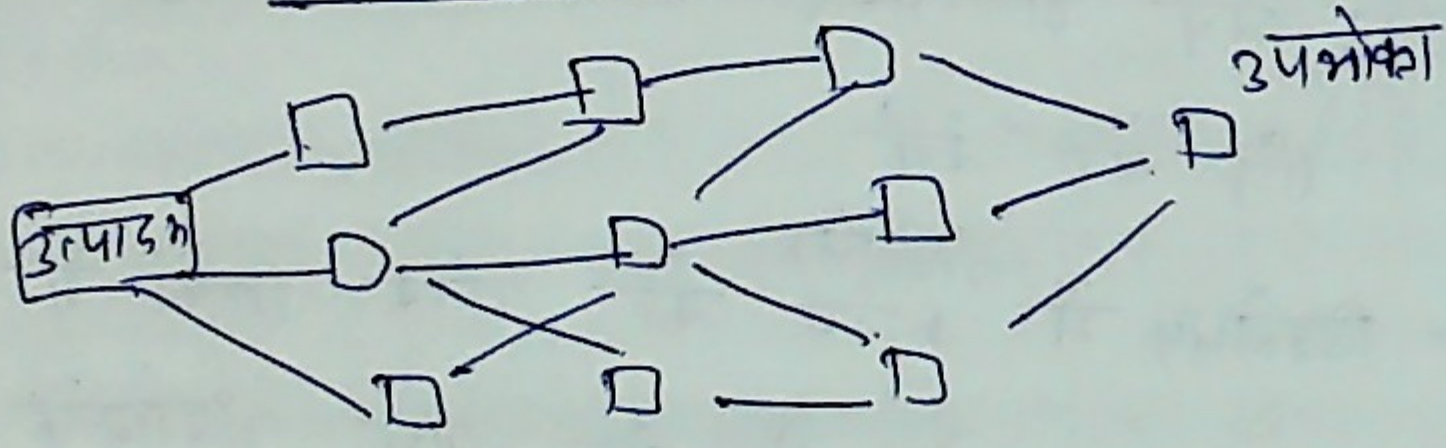
(iii) तंत्र विश्लेषण के दौरान भौगोलिक तंत्र में व्याप्त जटिलताओं को सरल करने का प्रयास किया जाता है।

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

(iv) जलिल नहर को अनेक सरल तत्वों में या उपखंडों में तोड़कर विश्लेषण करने का प्रयास किया जाता है।

(v) जैसे मानव शरीर में श्वसन तंत्र एक अलग तंत्र है परन्तु उसका अनेक तंत्रों के साथ अंतर्निबन्ध व्याप्त है। इसी प्रकार के सिद्धान्त का प्रयोग भूगोल में भी किया जाता है।
जैसे जल जाल का विश्लेषण



चित्र: जल जाल

नहर विश्लेषण के आगमन के पश्चात् भूगोल के जलिल सिद्धान्तों एवं परिघटनाओं को समझना आसान हो गया है। इससे समग्र एवं



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

धन की वचन होती है। कंप्यूटर के आगमन के पश्चात इन तंत्रों की कंप्यूटर की भाषा में हलका आसानी से कम समय में विश्लेषण किया जा सकता है।

इस प्रकार जहां तंत्र विश्लेषण भूगोल विषय की आसानी व रोचक बनाया है वही एक समस्या यह भी है कि सभी प्राकृतिक परिघटनाओं का सटीक विश्लेषण इन तंत्रों के विश्लेषण से नहीं हो पाता + घोंचि तंत्र विश्लेषण कुछ मान्यताओं पर आधारित होते हैं जो क्षम प्रतिशत प्रत्य नहीं होती हैं।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(b) भूगोल में मॉडलों के प्रमुख अभिलक्षणों की चर्चा करते हुए मॉडल्स का सामान्य वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिये। 15

Discuss the main features of models in geography and present a general classification of models. 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रारंभ में भूगोल विषय वर्णनात्मक

विषय होता था परन्तु आजकाल के आगमन के पश्चात् अनेक मॉडलों का विकास किया गया। वास्तुतः मॉडल किसी भौगोलिक परिघटना या पिछाई का सरलीकृत रूप होता है जिसमें अनेक भावनाओं का सहारा लिया जाता है।

मॉडलों के प्रमुख अभिलक्षण निम्नलिखित होते हैं—

(i) मॉडलों में अनेक भावनाओं का सहारा लिया जाता है जो वास्तविक धरातल पर हमेशा पूर्णतया सत्य नहीं होती। जैकी वेबर ने अपने औद्योगिक अवस्थिति पिछाई में भाना है कि प्रदेश विलग (Isolated) होना चाहिए जो पूर्णतया सत्य नहीं होता अर्थात् प्रत्येक प्रदेश



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अन्य प्रदेशों के साथ जुड़ा होता है तथा उनके साथ निरंतर अंतर्क्रिया करता है।

(ii) मॉडल में भौगोलिक जटिलताओं को सरल करके या आदर्शरूप में मानकर समझा जाता है जैसे वॉन थ्यूनेन ने कृषि पैटर्नों को कृताकार माना है जो पूर्णतया सत्य नहीं हैं।

(iii) मॉडल में अनावश्यक व कम महत्व वाले तत्वों को छोड़कर केवल मुख्य तत्वों का ही विश्लेषण किया जाता है जैसे गुरुत्वकर्षण मॉडल में केवल नगरों की जनसंख्या व उनके बीच दूरी का ही प्रवास के लिए महत्वपूर्ण माना है जबकि प्रवास के लिए अन्य कारक भी जिम्मेदार होते हैं।

भूगोल विषय में अनेक प्रकार



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

ये मॉडलों का निर्माण किया गया जिनका सामान्य वर्गीकरण निम्नलिखित हैं—

(i) अर्थशास्त्रीय मॉडल -

- ↳ वॉन थ्यूनेन का मॉडल
- ↳ वेबर का मॉडल

(ii) नगरीय विकास के मॉडल -

- ↳ प्राइमेट सिटी मॉडल
- ↳ प्रवास के अनेक मॉडल - Ex. रेवेसरीन

(iii) विकास के मॉडल

- ↳ पेरौमन व बोसविले का मॉडल
- ↳ क्रिस्टॉलर व लॉश का मॉडल

(iv) भौगोलिक मॉडल - (geomorphological model)

- ↳ डेविड, पेंक, सिंग का मॉडल

(v) जलवायु के मॉडल -

- ↳ कोपेन, दिवार्चा, थार्नथ्वेटर के मॉडल

इत्यादि

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(c) बोडोविले की 'वृद्धि केंद्र' की अवधारणा क्या थी? वर्तमान परिस्थिति में इसे किस प्रकार अधिक प्रासंगिक कहा जा सकता है? विश्लेषण करें।

20

What was 'growth centre' theory of Boudeville? How it may be termed as relevant at present? Analyse.

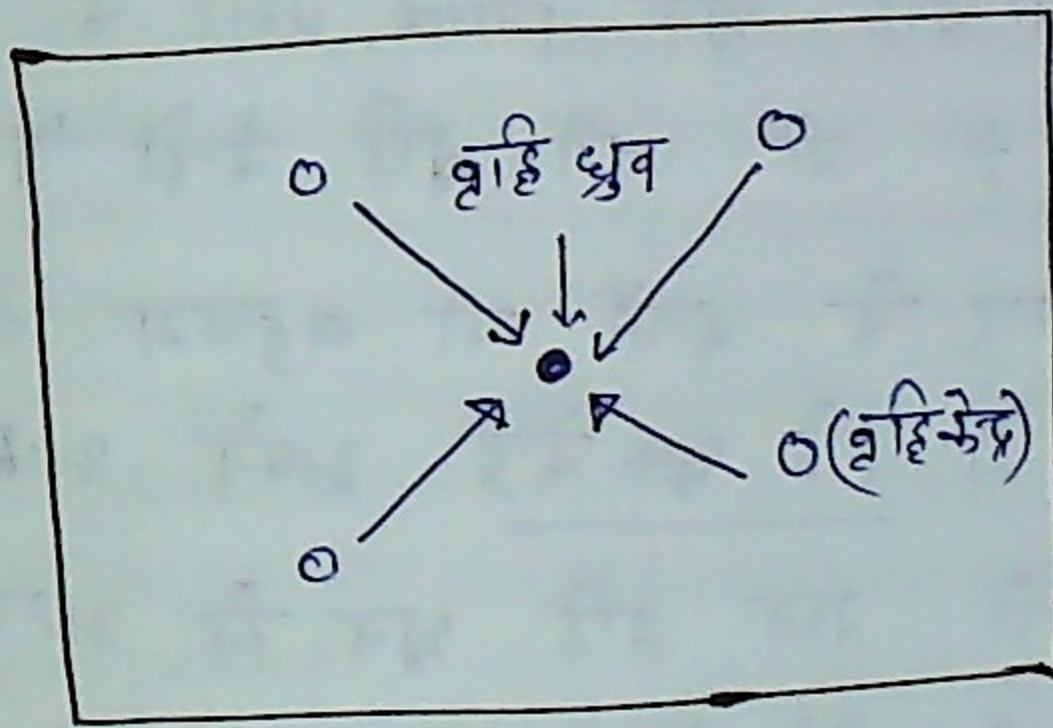
20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भूगोलवेत्ता पेरोकस ने वृद्धि ध्रुव का सिद्धांत प्रतिपादित किया था तथा इसी के साथ बोडोविले ने 'वृद्धि केंद्र' का सिद्धांत प्रतिपादित किया था।

बोडोविले ने कहा था कि वृद्धि ध्रुव की स्थापना के लिए अनेक 'वृद्धि केंद्र' होते हैं जो विकेंद्रीकरण का सूचक होते हैं।



उन्होंने यह भी बताया कि जब वृद्धि ध्रुव पर जनसंख्या का दबाव बढ़ता है तो वृद्धि केंद्र उस जनसंख्या का



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

समावेशन करके विकास ध्रुव की सहायता करते हैं। इसी प्रकार का उदाहरण भारत में राजधानी दिल्ली के आसपास देखा जाता है। जब दिल्ली में जनसंख्या व उद्योगों की भांजा में वृद्धि हुई तो उसके विकेन्द्रीकरण के लिए दिल्ली के आसपास गुरुग्राम, फरीदाबाद, मोछा जैसे विकास ध्रुवों का निर्माण हुआ।

इसी के साथ उन्होंने बताया कि जहां ~~विकास~~ वृद्धि ध्रुव तृतीयक प्रकार के कर्षण किए जाते हैं तो वहीं वृद्धि केन्द्रों में द्वितीयक प्रकार के कार्यों की बहुलता देखने को मिलती है। वृद्धि ~~केन्द्र~~ अपने आसपास के क्षेत्रों से तथा वृद्धि ध्रुव से अच्छी तरह से जुड़े होते हैं तथा महत्वपूर्ण की भूमिका का निर्वहन करते हैं।



कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

इसी के साथ जब वृद्धि ध्रुवों में भूमि का भूल्म बढ़ता है तथा प्रदूषण में वृद्धि होती है तो भी वृद्धि केन्द्रों के निर्माण की प्रवृत्ति देखी जाती है।

परन्तु वृद्धि केन्द्रों के निर्माण के लिए एक उपयुक्त नीति एवं कार्ययोजना की अति आवश्यकता होती है जो अविव्योम्बुषी हो तथा क्षेत्र की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करती हो।